# बिहार विधान परिषद्

## 185वां सत्र

## तारांकित प्रश्न
## वर्ग – 2

**30 फाल्गुन, 1938 (श.)**

**मंगलवार, तिथि ----------**

**21 मार्च, 2017 ई.**

**प्रश्नों की कुल संख्या – 29**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वास्थ्य विभाग | .... | .... | 22 |
| 2. | ऊर्जा विभाग | .... | .... | 05 |
| 3. | लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग | .... | .... | 02 |
| | | | | ---------- |
| | | | **कुल योग –** | **29** |

## कार्रवाई पर विचार

**अ*** 138. **श्री रजनीश कुमार एवं श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में 2012 के दौरान बहुचर्चित घोटाला मामला प्रकाश में आया था;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि तीन महीने के अंदर सभी पीड़ित महिलाओं को मुआवजे की राशि सीधे उनके बैंक एकाउन्ट में ट्रांसफर करे;

(ग) क्या यह सही है कि सात माह से ज्यादा समय बीतने के बाद भी अब तक पीड़ित महिलाओं को मुआवजे की राशि नहीं मिली है तथा दूसरे दोषी डॉक्टर एवं निजी अस्पतालों से मुआवजा राशि वसूल नहीं की गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार गर्भाशय घोटाला की पीड़ित महिलाओं को मुआवजा राशि शीघ्र देने एवं दोषी डॉक्टर एवं निजी अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## भवन की मरम्मती

* 293. **श्री सुमन कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के अंधराठाढ़ी प्रखंड मुख्यालय में 30 बेडों का रेफरल अस्पताल जर्जर भवन में चल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि रेफरल अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ इलाज कराने आये मरीज भी सुरक्षित नहीं हैं;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य सरकार के पत्रांक-1277, दिनांक 17.3.2015 के द्वारा भवन निर्माण हेतु तकनीकी अनुमोदित प्राक्कलन निर्माण एजेन्सी, बिहार चिकित्सा सेवायें एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड से मांग की गई थी;

---

**अ*** दिनांक 7 मार्च, 2017 ई. से स्थगित।

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या उक्त रेफरल अस्पताल के जर्जर भवन का यथाशीघ्र मरम्मती निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

---

**ट्रांसफार्मर की व्यवस्था**

***** 294. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के प्रखंड बांकेबाजार ग्राम-सगडीहा टोला-कडकीडीह में महादलित एवं पिछड़ी आबादी वाले टोला में ट्रांसफार्मर के अभाव में बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार जनहित में ग्राम-सगडीहा टोला-कडकीडीह के महरोनिया आहर पर ट्रांसफार्मर लगाना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

---

**सुविधा से वंचित**

***** 295. **श्री मंगल पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा के तहत राज्य में भवन निर्माण कार्य में लगे सभी निबंधित मजदूरों तथा सभी मनरेगा के जॉब कार्डधारी जिन्होंने 15 दिनों की मजदूरी की है, सभी लाइसेंस प्राप्त रेलवे के पोर्टर, बीड़ी वर्कर, घरेलू कामगार, सफाई कर्मी, रिक्शा चालक, कूड़ा चुनने वालों और ऑटो टैक्सी ड्राइवर जिसकी संख्या एक करोड़ 38 लाख 22 हजार 582 है, जिन परिवारों को चिन्हित किया गया है जिन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा के तहत प्रति परिवार को साल में 30 हजार रुपये के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलनी है, सरकार की लापरवाही के कारण इन बीमा सुविधा से लाभार्थी वंचित हो गये हैं, बीमा का लाभ पाने वाले सभी परिवारों का इस वित्तीय वर्ष में निबंधन नहीं हो सका है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में बीमित परिवारों की संख्या 68 लाख 99 हजार 144 है, करीब आधे परिवार इस योजना के लाभ से वंचित हो गये हैं क्योंकि बीमा की सीमा सितम्बर, 2016 में समाप्त हो गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जो गरीब परिवार इस राष्ट्रीय बीमा राशि की सुविधा से वंचित रह गये हैं उन्हें पुन: सुविधा देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

---

**राशि का भुगतान**

***** 296. **श्री मो. तनवीर अख्तर** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना को वित्तीय वर्ष-2015-2016 में बिहार सरकार द्वारा आवंटित राशि-404381000/- उपलब्ध करा दी गई है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त राशि को कार्यालय आदेश संख्या-1717, दिनांक 08.12.14 कार्यालय आदेश संख्या-771, दिनांक 30.09.2015 के द्वारा कार्यालय के सभी 33 (तैंतीस) पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को बकाया राशि का भुगतान किया गया, परन्तु क्षेत्रीय कर्मचारियों को बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना के आवंटित शेष राशि-192600000/- उपलब्ध है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार आवंटित शेष राशि से क्षेत्रीय कर्मचारियों की बकाया राशि का भुगतान कबतक करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

---

**स्वास्थ्य सुविधा**

***** 297. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि जहानाबाद जिलान्तर्गत मखदुमपुर प्रखंड के एन.एच.-83 पर स्थित नेर ग्राम में स्वास्थ्य उप केन्द्र बनाने की सूची में नाम दर्ज है;

(ख) क्या यह सही है कि जबतक जमीन न मिले तबतक किराये के मकान में दिलतों, पिछड़ों को स्वास्थ्य सुविधा दिलाने हेतु स्वास्थ्य उपकेन्द्र चालू कराया जा सकता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नेर ग्राम में किराये के मकान में स्वास्थ्य सुविधा देना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

---

**लापरवाह पर कार्रवाई**

***** 298. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत मोतिहारी सदर अस्पताल समेत जिले के पीएचसी एवं रेफरल अस्पताल एवं स्वास्थ्य केन्द्रों पर एंटी रैबीज वैक्सीन समाप्त हो चुकी है;

(ख) क्या यह सही है कि जिले में सदर अस्पताल सहित सभी केन्द्रों पर प्रतिदिन सैकड़ों लोग एंटी रेबीज वैक्सीन की सूई लेने जाते हैं परन्तु उनको निराश होकर घंटों तक इंतजार के बाद अस्पताल प्रशासन के द्वारा समाप्त होने की बात कहकर चलते बनते हैं, मोतिहारी पूर्वी चम्पारण के सिविल सर्जन डा. प्रशांत कुमार के द्वारा वैक्सीन समाप्त होने के बाद मुख्यालय को डिमांड भेजे जाने की बात कही गई है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार मोतिहारी सदर अस्पताल सहित जिले के पीएचसी रेफरल अस्पताल एवं स्वास्थ्य केन्द्रों पर एंटी रैबीज वैक्सीन कबतक भेजना चाहती है तथा सही समय पर सिविल सर्जन सहित अस्पतालों के प्रभारियों द्वारा डिमांड नहीं भेजे जाने के कारण उत्पन्न समस्या के जिम्मेवार एवं लापरवाह व्यक्तियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

---

**महाविद्यालयों को खोलने पर विचार**

***** 299. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बिहार में होमियोपैथिक एवं आयुर्वेद के करीब चार-चार महाविद्यालय बंद पड़े हैं जिसके कारण बच्चों का पठन-पाठन प्रभावित है;

(ख) क्या यह सही है कि प्रदेश के छात्र एवं छात्राएं पठन-पाठन हेतु दूसरे प्रदेश में जा रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बंद पड़े महाविद्यालयों को खोलने का विचार रखती है तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

**चहारदीवारी की व्यवस्था**

***** 300. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के सहार प्रखंड में सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है;

(ख) क्या यह सही है कि सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सहार की घेराबंदी (चहारदीवारी) नहीं रहने के कारण चिकित्सक, कर्मचारी और रोगी सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि असामाजिक तत्व अस्पताल की खिड़की, शीशा एवं दरवाजा तोड़ देते हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार कबतक सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सहार की चहारदीवारी कराना चाहती है ?

---

**भवन का निर्माण**

***** 301. **श्री सच्चिदानन्द राय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि छपरा जिलान्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लहलादपुर का मुख्य भवन जर्जर हो गया है जहां कभी छत के चिथड़े गिरने के कारण अप्रिय घटना घट सकती है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल में आठ चिकित्सक का पदस्थापन है लेकिन एक भी चिकित्सक मुख्यालय में आवास के आभाव में विश्राम नहीं करते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित केन्द्र के जर्जर भवन के स्थान पर नए भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## शुद्ध पेयजल

***** 302. **श्री लालबाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) के प्रत्येक प्रखंडों, कस्बों, गांवों में चापाकल में आयरन की मात्रा अधिक है;

(ख) क्या यह सही है कि आयरन का अधिक होना स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पूर्वी चम्पारण में जांचोपरांत चापाकल में आयरन ट्रीटमेंट मशीन लगाकर शुद्ध पेयजल मुहैया कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## आदेश निर्गत

***** 303. **श्री सूरजनंदन प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पढ़ाई में अच्छा करने के लिए वर्तमान बजट में 10,3000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि वर्तमान में सरकार ने राज्य में कार्यरत नर्सिंग कॉलेज के अतिरिक्त 5 मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है;

(ग) क्या यह सही है कि पढ़ाई में अच्छा करने के लिए जनहित में सरकार द्वारा राज्य के सभी जिलों में एक-एक मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की गयी है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार सूची के साथ बताना चाहती है कि सरकार द्वारा अभी तक कितने मेडिकल कॉलजों को जिलावार खोलने का आदेश निर्गत किया गया है और कितने मेडिकल कॉलेज जिलावार कार्यरत हैं?

---

## भूमि उपलब्ध

***** 304. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिला अन्तर्गत 292 उपस्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत हैं;

(ख) क्या यह सही है कि लगभग 200 स्वीकृत उपस्वास्थ्य केन्द्रों को अपना भवन नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि भवनहीन उपस्वास्थ्य केन्द्रों के लिए जहां भूमि उपलब्ध है वहां भी भवन निर्माण नहीं कराया जा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार भवनहीन उपस्वास्थ्य केन्द्रों के लिए उपलब्ध कराई गई भूमि पर भवन का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## नियमानुसार पदस्थापन

***** 305. **श्रीमती रीना देवी** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि वर्ग 3 के कर्मी की नियमित नियुक्ति के पश्चात् जिलों में पदस्थापन कोटिवार करने का प्रावधान है;

(ख) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग में वर्ष 2016 में स्टाफ नर्स ग्रेड-ए का पदस्थापन जिला में कोटिवार किया गया था, जिसमें पिछड़ा वर्ग कोटि के अभ्यर्थियों को उनके जिलों/मेडिकल कॉलेज में पदस्थापन से वंचित रहना पड़ा है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'क' एवं 'ख' में वर्णित तथ्यों के कारण विभिन्न जिलों/मेडिकल कॉलेज में पद रिक्त रह गया हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार गलत पदस्थापन करने वाले पदाधिकारी/कर्मियों को दंडित कर पुन: नियमानुसार पदस्थापन करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## स्थानान्तरण रद्द

***** 306. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना के ज्ञापांक-934(15), दिनांक 20.06.2007 से यह स्पष्ट है कि औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधीन औषधि निरीक्षक कार्यालयों के वर्ग-3 एवं वर्ग-4 के कर्मचारियों का स्थानान्तरण सरकार द्वारा निर्धारित नीति एवं मापदंड के अनुरूप केवल राज्य औषधि नियंत्रक द्वारा की जायेगी, अन्य श्रोत से एतद संबंधी निर्गत आदेश को मान्यता नहीं दी जायेगी;

(ख) क्या यह सही है कि सिविल सर्जन, पटना के ज्ञापांक-8619, दिनांक 30.12.2015 द्वारा अति प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मानस (दानापुर) में पदस्थापित लिपिक का स्थानान्तरण औषधि निरीक्षक कार्यालय (खुदरा) पटना के पद पर किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सिविल सर्जन, पटना द्वारा किया गया अनियमित स्थानान्तरण रद्द करना चाहती है, नहीं तो क्यों ?

---

## स्थायी विकास

***** 307. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि प्रकाश पर्व पर श्रद्धालुओं के इलाज को लेकर गुरु गोविन्द सिंह अस्पताल को अपग्रेड किया गया था और यह दावा किया गया था कि यह विकास स्थायी होगा;

(ख) क्या यह सही है कि अस्पताल के मरीजों को कॉरपोरेट स्तर का इलाज मुहैया कराने की बात कही जा रही थी लेकिन पर्व बीतते ही अस्पताल के बेड खाली पड़े हैं, यहां आने वाले मरीजों को डॉक्टर भर्ती न कर सिर्फ रेफर कर रहे हैं;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल में करोड़ों रुपये की दवाओं के साथ-साथ जांच के लिए आया केमिकल व दवा भी बिना उपयोग के ही खराब हो रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त अस्पताल का स्थायी विकास करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

---

## बिजली की आपूर्ति

***** 308**. डा. रामवचन राय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत बेउर के महावीर कॉलोनी रोड नं.-12 के दक्षिण निराकार संत कॉलोनी, कबीर पथ अवस्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि रोड नं.-12 में बिजली का खम्भा गाड़ा हुआ है लेकिन बिजली की आपूर्ति रोड नं.-12 के मध्य भाग तक ही सीमित है जिसके कारण रोड नं.-12 एवं निराकार संत कॉलोनी, कबीर पंथ में अवस्थित सैकड़ों घरों में लोग बांस के सहारे बिजली उपभोग कर रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार महावीर कॉलोनी के रोड नं.-12 में एवं निराकार संत कॉलोनी, कबीर पथ में सुरक्षित बिजली की आपूर्ति ट्रांसफारमर के साथ कबतक करना चाहती है ?

---

## बिजली की व्यवस्था

***** 309. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गांवों में निर्बाध बिजली आपूर्ति करने में सब-स्टेशन बाधा बन रहे हैं, वर्षों से चल रहे सब-स्टेशन का निर्माण कार्य अबतक पूरा नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि आज भी दो दर्जन जिले में 44 सब-स्टेशनों का काम लंबित है, कंपनी द्वारा मिशन मोड पर इसे बनाने का निर्णय लिया गया था;

(ग) क्या यह सही है कि दिसम्बर, 2013 में इन सभी सब-स्टेशनों की स्वीकृति मिल गयी थी तथा इसका निर्माण का लक्ष्य दो साल निर्धारित था;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के लंबित 44 सब-स्टेशनों का कार्य पूरा कराते हुए निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## शिकायत पर कार्रवाई

***** 310. **श्री शिव प्रसन्न यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बिहार राज्य एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी के क्षेत्रीय कर्मियों के साथ समिति मुख्यालय एकाउंट्स पदाधिकारियों द्वारा भेदभाव किया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि मुख्यालय के एकाउंट्स पदाधिकारियों के खिलाफ कर्मियों के यूनियन द्वारा लिखित शिकायत स्वास्थ्य मंत्री से की गई है;

(ग) क्या यह सही है कि यूनियन की लिखित शिकायत के विरुद्ध अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बिहार राज्य एड्स कंट्रोल सोसाइटी के यूनियन द्वारा लिखित शिकायत पर कबतक कार्रवाई करना चाहती है ?

---

## प्रस्ताव विचाराधीन

***** 311. **श्री संजय प्रकाश** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -
नवकृत

(क) क्या यह सही है कि राज्य में बीमार नागरिकों की सेवा में संलग्न एम्बुलेंस कर्मचारी सरकारी उपेक्षा के शिकार हैं, उनकी सेवाएं निजी कम्पनियों या गैर सरकारी संगठनों द्वारा ली जा रही है जहां उनका शोषण हो रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार ऐसे आवश्यक सेवा को क्यों नहीं अपने अधीन लेती है, क्या सरकार के अधीन ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन है,यदि नहीं तो क्या सरकार इस दिशा में पहल कर उचित कार्रवाई करेगी ?

---

## चापाकल की मरम्मती

***** 312. **श्री राजन कुमार सिंह** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला के सदर प्रखंड मदनपुर, देव, रफीगंज, नवीनगर प्रखंड में जल स्तर काफी नीचे चला गया है;

(ख) क्या यह सही है कि आने वाली भीषण गर्मी में आम जनता को जल की भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है;

(ग) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला के 70 प्रतिशत चापाकल खराब पड़े हैं;

(घ) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति योजना का कार्य काफी धीमा है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार औरंगाबाद जिला में खराब पड़े चापाकल की मरम्मती एवं उक्त योजना को कबतक कराना चाहेगी, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

**अनियमित प्रतिनियुक्ति**

***** 313. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सरकार टी.बी., कुष्ट, मलेरिया, फलेरिया रोग के उन्मूलन के लिए कार्यक्रम चला रही है;

(ख) क्या यह सही है कि क्षेत्रीय स्वास्थ्य संस्थानों में पदस्थापित कई स्वास्थ्य प्रशिक्षकों/कर्मचारियों को स्वास्थ्य निदेशालय में लंबे समय से प्रतिनियुक्त कर दिया गया है, जिससे राष्ट्रीय उन्मूलन कार्यक्रम की सफलता संदिग्ध हो गई है;

(ग) क्या यह सही है कि सरकार सदन में आदेश सं.-587(4), दिनांक 5.6.2015 द्वारा सभी प्रतिनियुक्ति रद्द करने की बात कहकर पुन: दूसरे आदेश से प्रतिनियुक्ति कर ली गई जो सदन को गुमराह करना है;

(घ) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग में स्वीकृत पदों को लंबे समय से भरा नहीं जा रहा है और अनियमित प्रतिनियुक्ति कर काम चलाने की बात बार-बार कही जा रही है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार अविलंब प्रतिनियुक्ति समाप्त करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

---

## अधिसूचना निर्गत

***** 314. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अचिकित्सा सहायक एवं अन्य कुष्ठ कर्मियों का संवर्ग बनकर तैयार है परन्तु अधिसूचना निर्गत नहीं होने के कारण यह राज्य में लागू नहीं हो पाया है;

(ख) क्या यह सही है कि संवर्ग गठित नहीं होने के कारण कर्मचारियों की प्रोन्नति बाधित है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार तत्काल प्रभाव से अचिकित्सा सहायक संवर्ग लागू होने संबंधी अधिसूचना निर्गत करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

---

## पद्धति शीघ्र लागू

***** 315. **श्री राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बब्लू गुप्ता** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मर्मदाब योग (एक्युप्रेशर रोग) एक पारंपरिक, दवारहित, लोकप्रिय एवं वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति है, तथा रोग शांति के लिए दुनिया की अन्य सारी चिकित्सा पद्धतियों के समान अकेले है;

(ख) क्या यह सही है कि यह रोग से बचाव, रोग का निदान एवं कठिन रोगों की सफल चिकित्सा के लिए सक्षम है तथा इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि बिहार विधान परिषद् के 167वें सत्र में तत्कालीन विभागीय मंत्री द्वारा दिनांक 08.03.2011 को अपने बजट भाषण के क्रम में इस पद्धति को बढ़ावा देने हेतु घोषणा की गई है;

(घ) क्या यह सही है कि यदि इसको लागू किया जाता है तो सरकारी एवं आमजनता के स्वास्थ्य बजट में निश्चित रूप से कमी आएगी जो दूसरे मद में खर्च किया जा सकता है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस पद्धति को शीघ्र लागू करेगी, यदि हां तो कबतक ?

---

## विद्युत आपूर्ति बंद

***** 316. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीमामढ़ी जिलान्तर्गत चोरौत प्रखंड मुख्यालय के 33/11 के.वी.ए. का विद्युत केन्द्र वर्ष 2014 से ही बंद पड़ा है;

(ख) क्या यह सही है कि तैंतीस हजार के.वी.ए. का तार भी चोरी हो गया है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त तार की चोरी एवं विद्युत केन्द्र बंद रहने के कारण चोरौत के करीब चार पंचायत में विद्युत आपूर्ति बंद है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त विद्युत केन्द्र को चालू करने एवं तार को बदलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## गुणवत्ता का रखरखाव

***** 317. **श्री विनोद नारायण झा** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के पंडौल विद्युत केन्द्र के रख-रखाव में कमी के कारण जिला में विद्युत संचारण बाधित रहता है, यदि हां तो पंडौल विद्युत केन्द्र को अत्याधुनिक करने एवं उच्च गुणवत्ता का रख-रखाव हेतु सरकार की क्या कार्य योजना है ?

---

## नियुक्ति रद्द

***** 318. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मलेरिया कर्मचारियों का संवर्ग मुख्य मलेरिया पदाधिकारी, बिहार, पटना के स्तर पर है;

(ख) क्या यह सही है कि श्री संजय कुमार बी.एच.डब्ल्यू. का अनियमित स्थानांतरण सिविल सर्जन, नालंदा के ज्ञापांक-1773, दिनांक 30.06.2014 द्वारा अस्थावां से सदर प्रखंड, बिहारशरीफ किया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'ख' में वर्णित बी.एच.डब्ल्यू. की अनुकम्पा के आधार पर माता-पिता दोनों सरकारी सेवक रहते हुए औरंगाबाद में अनियमित नियुक्ति की गयी है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अनियमित स्थानांतरण एवं नियुक्ति रद्द करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

---

**गहन चिकित्सा कक्ष**

***** 319. **डा. दिलीप कुमार जायसवाल** एवं **सूरज नंदन प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में नवजात शिशु मृत्यु दर पिछले तीन वर्षों से स्थिर बनी हुई है जिसके कारण जीवित जन्म लेने वाले शिशुओं में प्रति हजार में 45 पैंतालीस बच्चे अपना पहला जन्म दिन नहीं मना पाते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में सबसे चिंताजनक स्थिति लड़कियों की मृत्यु दर में हो रही है जो सालाना बढ़ रही है;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में नवजात गहन चिकित्सा कक्ष नहीं रहने के कारण नवजात शिशुओं का इलाज नहीं हो पाता है जिसके कारण मृत्यु दर बढ़ रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार नवजात लड़कियों की मृत्यु दर को रोकने तथा सरकारी अस्पतालों में नवजात गहन चिकित्सा कक्ष सुचारु रूप से चलाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

**कार्य योजना**

***** 320. **श्री अर्जुन सहनी** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि विगत वर्ष बिहार में मात्र 550 रक्तदान शिविर आयोजित किये गये जबकि अन्य राज्यों यथा पश्चिमी बंगाल में 12000 एवं ओडिशा में 2000 रक्तदान शिविर आयोजित किये गए, जो बिहार में आयोजित शिविरों से काफी अधिक हैं;

(ख) क्या यह सही है कि बिहार में प्रतिवर्ष 10 लाख 30 हजार इकाई रक्त की जरूरत है जिसके विरुद्ध मात्र 10000 इकाई रक्त ही उपलब्ध हो पाता है;

(ग) क्या यह सही है कि रक्तदान शिविर कम आयोजित किये जाने के कारण रक्त अधिकोष से मात्र 16 प्रतिशत जरूरतमंदों को ही रक्त मिल पाता है और शेष 80 प्रतिशत लोगों को पेशेवर रक्तदाताओं से अपनी जरूरत पूरी करनी पड़ती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अधिक संख्या में रक्तदान शिविर आयोजित करने एवं रक्त अधिकोष की संख्या बढ़ाने का विचार रखती है, यदि हां तो इसकी कार्य योजना क्या है?

---

पटना
दिनांक 21 मार्च, 2017 ई.

**सुनील कुमार पंवार**
सचिव
बिहार विधान परिषद्